भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र - भरूच, गुजरात

"किसान दिवस" का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, भरूच के समनी फार्म पर दिनांक 29/11/2024 को किसान दिवस का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सभी किसानों का पंजीकरण, पंजीकरण समिति (प्रज्ञा पारेख, आकांक्षा विश्वकर्मा, मंजुबेन वसावा तथा रिया पटेल) द्वारा किया गया| कार्यक्रम को शुरू करते हुए डा. मोनिका शुक्ला ने सभी अतिथियों एवं विभिन्न गाँवों से आए हुए किसान भाइयों का स्वागत किया| इस कार्यक्रम में लगभग 85 किसानों तथा विभिन्न कार्यालयों (कृषि महाविद्यालय, कृषि तथा बागवानी विभाग, ग्रामसेवक, जनविकास, अतापी एनजीओ इत्यादि) से भी कई अधिकारियों ने भाग लिया| परंपरा अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मुख्य अतिथि तथा मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से की गयी| इसके पश्चात् भा.कृ.अनु.प. संस्था के सम्मान हेतु समर्पित भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद गीत बजाया गया| इसके पश्चात् मंच पर विराजमान अभी अतिथियों ; मुख्य अतिथि: डा. महेंद्र पटेल (वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, चासवाड, भरुच); श्री एच डी पटेल (उप निदेशक, बागवानी, भरूच); डॉ. वेद प्रकाश राय (संशोधन वैज्ञानिक, कृषि अनुसन्धान केंद्र, तंच्छा); डा. जे आर पंड्या (सहायक प्रोफेसर, कृषि महाविद्यालय, भरूच), श्री धवल सिंह राज (कृषि विस्तरण अधिकारी, आमोद) का स्वागत केंद्र के अध्यक्ष महोदय डा. अनिल आर चिंचमलातपुरे द्वारा पुष्पगुच्छ से किया गया|

स्वागत के बाद केन्द्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिंचमलातपुरे ने किसानों को इस केन्द्र की गतिविधियों की तथा आयोजन की पूरी विस्तार से जानकारी दी| इसके पश्चात् श्री एच. डी. पटेल, (उप निदेशक बागवानी) द्वारा किसानों को संबोधित किया गया तथा आज की कृषि में बागवानी का महत्व तथा बागवानी फसल के लिए विविध सरकारी योजनाओं के बारे में बताया| इसके बाद डा. जे आर पंड्या (सहायक प्रोफेसर, कृषि महाविद्यालय, भरूच) द्वारा प्राकृतिक कृषि तथा जैव उर्वरक के बारे में किसानों को बताया गया| इसके उपरांत डॉ. वेद प्रकाश राय (संशोधन वैज्ञानिक, कृषि अनुसन्धान केंद्र, तंच्छा) ने इस क्षेत्र के लिए विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों तथा किस्मों के चुनाव के लिए महत्वपूर्ण कारकों के बारे में किसानों को जानकारी प्रदान की| उसके बाद कृषि संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी आमोद के कृषि विस्तारण अधिकारी श्री धवल सिंह राज द्वारा दी गई| कृषि तंत्र में समन्वित कीट प्रबंधन की जानकारी डॉ. आर. बी. पटेल, संशोधन वैज्ञानिक, कृषि महाविद्यालय, भरूच द्वारा दी गयी| फसलों में रोग प्रबंधन, उचित कीटनाशकों के चुनाव तथा मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में डॉ. राजेश वागुण्डे, सहायक प्रोफेसर, कृषि विश्वविद्यालय, भरूच के द्वारा बताया गया| एनजीओ जनविकास के जेसंगभाई तथा अतापी के राकेश वसावा द्वारा भी किसानों को संबोधित किया गया| इसके पश्चात मुख्य अतिथि महेंद्र पटेल कृषि विज्ञान केन्द्र, चासवाड के द्वारा किसानों को संबोधित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में प्राकृतिक खेती एवं नवीनतम तकनीकियों के बारे में बताया| सभी किसान भाईयों को समझाया की किस तरह मिक्स कृषि करके हम अपने खेती से दुगनी आय प्राप्त कर सकते हैं| इसके पश्चात बाद बार क्षेत्र के पांच प्रगतिशील किसानों (श्री छगनभाई हीराभाई परमार (कलक), श्री जगदीश भाई शांति लाल परमार (कावा), श्री छगनभाई धनजीभाई जांबू (करमाड), श्री बालूभाई भवनभाई मकवाना (कावली) तथा श्री दलपतभाई भगाभाई परमार (कनगाम)) को "किसान सम्मान पत्र" देकर सम्मानित किया गया जिन्होंने गत वर्ष गेहूँ की लवण सहनशील प्रजाति केआरएल 210 का उत्कृष्ट उत्पादन किया था|

अंत में धन्यवाद प्रस्ताव केंद्र वैज्ञानिक डॉ बिश्वेश्वर गोरेन, द्वारा दिया गया| राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई| इसके पश्चात किसानों तथा अतिथियों के लिए जलपान का प्रबंध चंपक तवियाड, बलवंत डामोर, मुर्तुजा पठान, दिलीप वाघेला आदि की सहायता से किया गया| इस कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र के अभी अधिकारी तथा तकनीकी, प्रशासनिक एवं कुशल सहायक कर्मचारी के साथ साथ भरूच एवं समनी फार्म के सभी कर्मचारियों ने गठित समिति के रूप में भरपूर योगदान दिया।

किसानों का पंजीकरण

दीप प्रज्वलन

स्वागत

विशेषज्ञों के व्याख्यान

किसान सम्मान पत्र वितरण